VIDYA UNIVERSITY PRESS

सुगंधा

हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक

कक्षा 6

Teacher's Resource Book

सुगंधा-6

1. पेड़ का दर्द

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (iv) (ग) (iii)

2. (क) भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से पेड़ अपने हृदय की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहता है कि मुझे आज भी जंगल की याद आती है तो उसके साथ उन कुल्हाड़ियों और आरियों की याद आ जाती है जिनसे मेरे टुकड़े किए गए थे और मेरी संपूर्णता छीनी गई थी। इसलिए मुझे जंगल की याद मत दिलाइए; क्योंकि इस याद के साथ मुझे मनुष्य का मेरे प्रति निर्दयतापूर्ण व्यवहार याद आता है, तो दुख होता है।

(ख) भावार्थ—प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से पेड़ अपने हृदय की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहता है कि मनुष्य जब अपनी आत्मा की तृप्ति के लिए मुझे चूल्हे में जलाता है और उस पर हाँड़ी चढ़ाता है, तो उसकी खुदबुदाहट मेरी पीड़ा के आगे झूठी प्रतीत होती है अर्थात् अपने क्षणिक स्वाद के लिए किसी के जीवन का समूल नष्ट करना उचित नहीं है।

3. (क) जंगल में पेड़ के साथी पशु-पक्षी तथा अन्य पेड़ों पर रहने वाले जीव-जंतु थे।

(ख) कुल्हाड़ियों और आरियों ने पेड़ के टुकड़े-टुकड़े करके उसे प्रभावित किया।

(ग) वर्तमान में पेड़ जंगल को याद करते हुए, जिसमें वह संपूर्ण खड़ा था, मानव द्वारा टुकड़े-टुकड़े किए जाने के कारण दुख व्यक्त कर रहा है। पेड़ के मन में अब भी धरती पर स्वच्छंद खड़े होने के विचार आ रहे हैं।

(घ) पेड़ की एक-एक झड़ती पत्ती उसके दुख को प्रकट करती है और उसे उसके संपूर्ण जीवन की याद दिलाती है।

(ङ) पेड़ चूल्हे में लकड़ी की तरह जल रहा है।

(च) पेड़ धरती को पत्तियों के माध्यम से चूमना चाहता है।

❒ व्याकरण-बोध

4. जड़ — शरारत करने पर पिता ने पुत्र के दो तमाचे जड़ दिए।
पेड़-पौधे जड़ के माध्यम से पत्तियों द्वारा भोजन प्राप्त करते हैं।

जल — चूल्हें में लगी लकड़ी क्षण भर में जलकर राख हो गई।
पीने के लिए स्वच्छ जल का होना जरूरी है।

पर — पिंजरे में बंद पक्षी अपने पर फड़फड़ाने लगा।
पड़ोसी चैन से सोता है पर ईर्ष्यालु सारी रात जागता है।

अंबर — श्रीकृष्ण पीला अंबर धारण करते हैं।
द्रोपदी के चीर का अम्बर तक ढेर लग गया।
डाल — मैंने अपने बटुए में दो सौ रुपये डाल रखे हैं।
कोयल डाल पर बैठी है।

5. कोयला चिड़िया कुल्हाड़ी चूल्हे जड़ें आरा पत्ती चेहरा

6. संकीर्ण संबंध संघर्ष संकल्प

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।
8. विद्यार्थी स्वयं करें।
9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❏

2. सोना छोड़ो, सोना पाओ

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (i)
2. (क) गीता जुत्शी ने 'समय' शब्द पर बहुत बल इसलिए दिया है, क्योंकि वे दौड़ में हिस्सा लेती हैं, इसलिए वे जानती हैं कि एक सेकंड का उनके लिए कितना महत्त्व है।
(ख) गीता जुत्शी ने एथलेटिक्स को इसलिए चुना, क्योंकि उनके पिताजी स्वयं बैडमिंटन और एथलेटिक्स में हिस्सा लिया करते थे।
(ग) श्री रामसिंह गीता जुत्शी के प्रशिक्षक हैं।
(घ) गीता जुत्शी ने सर्वप्रथम 'अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता' में भाग लिया और रजत पदक प्राप्त किया।
(ङ) ''आप यहाँ हस्ताक्षर कर दीजिए, पैसे वसूल हो जाएँगे'' कंडक्टर ने ये शब्द इसलिए कहे, क्योंकि खिलाड़ियों का किराया सभी जगह माफ होता है।
(च) गीता जुत्शी अपनी आजीविका के लिए पहले रेलवे के दफ्तर में काम करती रहीं, अब मोतीलाल नेहरू खेल संस्थान (राई) में उप-निदेशक (डिप्टी डायरेक्टर) का पद सँभाल रही हैं।
(छ) अच्छे एथलेटिक्स को दिन-रात परिश्रम करना पड़ता है। सोने का पदक प्राप्त करने के लिए सोने (आराम) का सुख छोड़ना पड़ता है।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) विभा ने **भी** कल उमा को बुलाया।

(ख) विभा ने कल उमा को **ही** बुलाया।

4.

पालना → बच्चों का झूला, परवरिश करना

जगत → संसार, कुएँ का चबूतरा

उत्तर → जवाब, दिशा

भेद → अंतर, रहस्य

घटना → पतन होना, घटित होना

वर → दूल्हा, वरदान

हार → माला, पराजय

आम → साधारण, एक फल

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

3. जो देखकर भी नहीं देखते

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i)

2. (क) लेखिका को अपने मित्र के कुछ खास न देखने के जवाब से ऐसा लगता है कि जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं।

(ख) नदियों, जंगलों, चिड़ियों का मधुर कलरव तथा फूलों की खुशबू, सुंदरता आदि को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

(ग) 'कुछ खास तो नहीं', हेलेन की मित्र ने यह जवाब उस मौके पर दिया जब उसने अपने मित्र से जंगल की सैर से वापस आने पर प्रश्न किया। यह सुनकर लेखिका को आश्चर्य इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इस तरह के उत्तरों की वे आदी हो चुकी थीं।

(घ) हेलेन केलर भोज-पत्र की चिकनी छाल, चीड़ की खुरदरी छाल तथा फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह को छूकर और चिड़ियों के मधुर स्वरों को सुनकर पहचान लेती थीं।

(ङ) "जबकि इस नियामत से जिंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।" मेरी दृष्टि में इसका अर्थ यह है कि चारों ओर फैले हुए प्राकृतिक नजारे को देखकर मन में जो प्रसन्नता होती है उसके द्वारा अपने जीवन को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

(च) लेखिका ने लोगों द्वारा दृष्टि के आशीर्वाद को एक साधारण-सी चीज समझने के कारण दुख प्रकट किया है।

(छ) लेखिका के सामान्य व्यक्ति के प्रति यह विचार हैं कि उसे ईश्वर द्वारा प्रदान की गई चीजों की कद्र करनी चाहिए और अपने जीवन को खुशियों से हरा-भरा बनाना चाहिए।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) अवधि — गांधी जी का विवाह चौदह वर्ष की अवधि में ही हो गया था।
अवधी — तुलसीदास ने अवधी भाषा में श्रीरामचरितमानस की रचना की।

(ख) ओर — सूरज पूर्व दिशा की ओर उदय होता है।
और — राम और लक्ष्मण के साथ सीता भी वन को गई।

(ग) में — घोंसले में पक्षी बैठा है।
मैं — मैं आपके साथ नहीं जा सकता।

(घ) दिन — वह दिन दूर नहीं जब हमारे पास प्यास बुझाने के लिए पानी नहीं होगा।
दीन — ब्राह्मण सुदामा की दीन दशा देखकर श्रीकृष्ण रो पड़े।

(ङ) मेल — ज्ञानी का अज्ञानी से कभी मेल नहीं खाता।
मैल — कपड़ों की धुलाई करने पर उनसे काफी मैल निकला।

(च) सिल — दर्जी ने दादाजी के कपड़े सिल दिए।
सील — बरसात के मौसम में घरों में सीलन आ जाती है।

(छ) कुल — कक्षा में कुल 28 विद्यार्थी उपस्थित थे।
कूल — गोकुल में नदी का कूल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

(ज) ग्रह — ब्रह्मांड में आठ ग्रह हैं।
गृह — सभी बच्चों ने अपना गृह-कार्य कर लिया।

4. (क) चिकना — फर्श, बोर्ड। (ख) चिपचिपा — गोंद, जलेबी।
(ग) मुलायम — कपड़े, लौकी के पत्ते। (घ) खुरदरे — कटहल, करेला।
(ङ) सख्त — लोहा, लकड़ी। (च) भुरभुरा — आटा, बालू।

5. (क) मीठा, भूखा, शांत, भोला, बूढ़ा, घबराना, बहना, फुर्तीला।
(ख) मनुष्यता, शैशव, ईमानदारी, सार्वजनिक, बालपन, कुलीनता, छटपटाहट, नील,

❐ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।
7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।
9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

4. अक्षरों का महत्त्व

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iv)
2. (क) अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए चित्रों तथा संकेत माध्यमों का सहारा लेता था।
(ख) मनुष्य जब अपने विचारों और हिसाब-किताब को लिखने लगा तब उसे सभ्य कहा जाने लगा, क्योंकि इस खोज ने उसे अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बना दिया।
(ग) इतिहास हमें यह जानकारी देता है कि कुछ हजारों साल पहले लोगों का रहन-सहन कैसा था, वे क्या करते थे तथा कौन-कौन से राजा हुए। इसका प्रारम्भ अक्षरों की खोज से हुआ।
(घ) मनुष्य की सबसे बड़ी खोज अक्षरों की खोज है, क्योंकि अक्षरों की खोज करने के बाद मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी।
(ङ) पुराने जमाने में लोग यह इसलिए सोचते थे कि अक्षर और भाषा की खोज ईश्वर ने की है, क्योंकि वे अशिक्षित थे।
(च) भाषा के बिना हम अपने विचारों को चित्र-संकेतों तथा भाव-संकेतों से व्यक्त कर सकते हैं।
(छ) पाठ में ऐसा इसलिए कहा गया है कि, क्योंकि आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जब से लिखना शुरू किया तब से 'इतिहास' आरम्भ हुआ।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क)

अनुचित	= अन् + उचित	अनावश्यक	= अन् + आवश्यक
अपरिचित	= अ + परिचित	अनिच्छा	= अन् + इच्छा
असफल	= अ + सफल	अदृश्य	= अ + दृश्य

(ख)

न्याय–अन्याय	एक–अनेक
धर्म–अधर्म	व्यवस्था–अव्यवस्था
विकसित–अविकसित	होनी–अनहोनी
प्रसन्न–अप्रसन्न	मोल–अनमोल

4.

(क) क्विंटल	(ख) दर्जन	(ग) दस	(घ) मीटर
(ङ) एकड़	(च) दर्जन	(छ) बोरी	(ज) क्विंटल
(झ) चार	(ञ) चम्मच	(ट) कोड़ी	(ठ) कटोरी
(ड) लीटर	(ढ) किलो	(ण) ट्रक	(त) पाँच
(थ) दर्जन	(द) पचास	(ध) छठी	(न) तोले
(प) मुट्ठीभर	(फ) किलो	(ब) ग्राम	(भ) प्याला

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

13. विद्यार्थी स्वयं करें।

14. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

5. कोई नहीं पराया

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv)

2. (क) **भावार्थ**—प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से कवि संप्रदायवाद का खंडन करता है और वह स्वयं को इन समस्त भेद-भाव उत्पन्न करने वाली रूढ़ियों से अलग रखने की बात करता है। उसके लिए मनुष्य का मनुष्य के प्रति प्रेम ही सबसे बड़ा कर्म है।

(ख) **भावार्थ**—प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से कवि स्वयं हित नहीं बल्कि जनहित जीवन जीने की बात करता है। वह स्वयं के कष्टों को नहीं, बल्कि समस्त संसार के कष्टों को अपने दुख का कारण मानता है। अत: सारे मानव समाज के कष्टों का अंत ही उसके कष्टों का निदान है।

3. (क) और छोड़कर प्यार, नहीं स्वीकार सकल अमरत्व भी।

(ख) मेरा धर्म न कुछ स्याही-शब्दों का सिर्फ गुलाम है।

(ग) सुख न तुम्हारा केवल, जग का भी उसमें कुछ भाग है।

4. (क) कवि आदमी को अपना आराध्य मानता है।

(ख) कवि स्वर्ग के सुख की सुकुमार कहानियाँ नहीं सुनना चाहता है।

(ग) कवि संसार में प्यार बाँटना चाहता है।

(घ) कवि मानवता पर अभिमान इसलिए करता है, क्योंकि मानवता ही है जो संपूर्ण संसार को प्रेम-सूत्र में बाँधती है।

(ङ) कवि ऐसा जीवन बिताने की बात कर रहा है जिसमें ऊँच-नीच का कोई भेद न हो। वह सभी को खुशियाँ बाँट सके और चारों ओर प्यार और मानवता विकसित हो। वह सबका कल्याण कर सके।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क)

जातिवाचक	भाववाचक	जातिवाचक	भाववाचक
देश	देवत्व	स्याही	पीड़ा
घर	अभिमान	आदमी	दर्द
गीत	प्यास	फूल	मानवता

(ख)

दुष्ट	— दुष्टता	पुरुष	— पुरुषत्व
कोमल	— कोमलता	बंधु	— बंधुत्व
महान	— महानता	महत्	— महत्त्व
सज्जन	— सज्जनता	देव	— देवत्व

6. सुकुमार — स् + उ + क् + उ + म् + आ + र् + अ

दर्दीले — द् + अ + र् + द् + ई + ल् + ए

विषमता — व् + इ + ष् + अ + म् + अ + त् + आ

7.

स्वर्ग	नरक	स्वीकार	अस्वीकार
विष	अमृत	मनुजत्व	दनुजत्व
समता	विषमता	धर्म	अधर्म

8. **घर**	**धरती**	**संसार**
सदन	पृथ्वी	जगत्
गृह	धरणी	दुनिया
आलय	धरा	विश्व

❐ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

12. विद्यार्थी स्वयं करें।
13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

6. साहसी सुमेरा

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii)   (ख) (i)   (ग) (iii)

2. (क) सुमेरा राजा साहब का इंतजार कर रहा था, क्योंकि वह उनसे अपनी शिकायत करना चाहता था।

(ख) सुमेरा ने आज बापू को न देखने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि वह राजा से मिले बगैर नहीं जाना चाहता था।

(ग) सुमेरा के दृढ़विश्वास ने उसे वहाँ से हिलने न दिया।

3. (क) सुमेर सिंह का बचपन गर्दिशों से भरा था।

(ख) सुमेरा कमेटी वालों द्वारा अपने साथ किए गए बरताव की शिकायत करने और उन्हें सजा दिलवाने के लिए राजा साहब से मिलने गया।

(ग) सुमेर सिंह अपने पिता से सच्चाई और ईमानदारी के संस्कार पाकर सच्चा और ईमानदार बना।

(घ) सुमेर सिंह मास्टर जी के पास ही पैसे माँगने इसलिए गया, क्योंकि उसे अपनी मदद के काबिल मास्टर जी के अलावा और कोई न दिखा।

(ङ) हाँ, मुझे सुमेरा अच्छा लगा, क्योंकि वह बड़ा ही साहसी और ईमानदार था।

(च) राजा साहब ने सुमेरा को उसकी हिम्मत और हौसले को देखकर तथा पुनः अपना काम शुरू करने के लिए सौ रुपये दिए।

(छ) कहानी में सुमेरा के साहस की बात को उजागर किया गया है, जो एक अनाथ लड़का है। अपनी छोटी-सी उम्र में पढ़ाई करने के साथ-साथ काम करने का

भी फैसला लेता है। मन को छू जाने वाली बात यह है कि वह बिना घबराए अपनी शिकायत को लेकर राजा के पास पहुँच जाता है।

❐ व्याकरण-बोध

4. हार, पढ़ाई, सच्चाई, रुलाई, हिम्मत, चाल, बेहोशी, सुन, गरीबी, लेन-देन।

5. लकीरें, टोकरियाँ, आवाजें, सब्जियाँ, सड़कें, कॉपियाँ, दुकानें, कहानियाँ, खबरें, झुग्गियाँ।

6. अंत, जीतना, बिक्री, साहसी, बेईमान, नकद।

7. कथा, व्याख्यान; अवधि, काल; जग, संसार; ध्वनि, आहट; बाप, तात; प्रभात, सुबह; असत्य, मिथ्या; प्रणाम, नमस्कार; सायंकाल, संध्या; नयन, नेत्र।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. खजाना मिलना—(अमूल निधि प्राप्त करना)—सभी लोग सुधांशु महाराज के प्रवचन सुनने के लिए इस तरह टूट पड़े मानो कोई खजाना मिल गया हो।

पीठ थपथपाना—(शाबासी देना)—अंकुश के कक्षा में प्रथम आने पर उसके दादाजी ने उसकी पीठ थपथपाई।

ईमानदारी की घुट्टी पिलाना—(ईमानदारी सिखाना)—पिताजी ने अपने बच्चों को ईमानदारी की घुट्टी पिलाई।

पत्थर की लकीर—(दृढ़निश्चय)—कर्मवीर व्यक्ति का हर कदम पत्थर की लकीर सिद्ध होता है।

धुन समाना—(लग्नशील रहना)—परीक्षा के दिनों में विद्यार्थियों को पढ़ाई की धुन समा जाती है।

❐ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

7. हार को पीछे छोड़कर आगे बढ़ो

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, सन् 1931 ई० में हुआ था।

(ख) एस०एल०वी०-3 प्रोजेक्ट को लांच करने का निर्णय लेने और उसमें असफल हो जाने को श्री कलाम ने अपने और अपनी टीम के लिए बड़ी हार कहा है।

(ग) हार की जिम्मेदारी स्वयं पर लेना और जीत का श्रेय समस्त टीम को देना, सतीश धवन की इस बात से सभी को सबक लेना चाहिए।

(घ) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ने अच्छा लीडर बनने के लिए सफलता को सहजरूप में स्वीकार करने के गुण को आवश्यक माना है।

(ङ) अच्छे लीडर को अपने विजन को पूरा करने के लिए उसमें दूरदृष्टि और जुनून होना चाहिए।

(च) श्री कलाम ने हार की जिम्मेदारी स्वयं पर लेने और जीत का श्रेय समस्त टीम को देने के कारण सतीश धवन को एक अच्छा लीडर कहा है।

❐ व्याकरण-बोध

3.

अंग्रेजी के शब्दों की सूची	**अर्थ**
मिसाइलमैन	मिसाइल बनाने वाला
लीडर	नेता
मिशन	उद्देश्य
प्रोजेक्ट डायरेक्टर	कार्य-निर्देशक
मीडिया	पत्रकार
कंप्यूटर स्क्रीन	कंप्यूटर पटल
फ्लैश	झलक
एक्सपर्ट	कुशल

4. हार-जीत — हार और जीत
सफलता-असफलता — सफलता और असफलता
छोटा-बड़ा — छोटा और बड़ा
अंदर-बाहर — अन्दर और बाहर
जय-पराजय — जय और पराजय
अच्छे-बुरे — अच्छे और बुरे

5. अनुभव — अ + न् + उ + भ् + अ + व् + अ
स्वीकार — स् + व् + ई + क् + आ + र् + अ
चिंता — च् + इ + अं + त् + आ
दृष्टि — द् + ऋ + ष् + ट् + इ

6. (क) काम में मिली सफलताओं से मैंने बहुत कुछ सीखा और असफलताओं से भी मैंने शिक्षा ली।

(ख) फैसला लेने से पहले कई बातें दिमाग में आती हैं लेकिन फैसला लेने के लिए हमें साहस दिखाना पड़ता है।

(ग) कंप्यूटर लांच में तकनीकी परेशानी का संदेश दे रहा था फिर भी मैंने लांच का निर्णय लिया।

(घ) समस्याएँ तो आती रहती हैं, किंतु उनसे घबराना नहीं चाहिए।

(ङ) हमारी निगाहें कंप्यूटर स्क्रीन पर थीं तभी कंप्यूटर स्क्रीन पर संदेश फ्लैश हुआ।

7. (क) मैंने अपने लंबे अनुभव से क्या सीखा?

(ख) सफलता कब मिलती है?

(ग) किसने उस हार की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली?

(घ) अपनी टीम को एक लक्ष्य की ओर कौन ले जाता है?

❐ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

8. बाढ़ से सुरक्षा

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

2. **(क) भाव**—इस पंक्ति का भाव यह है कि जब किसी चीज से अपना पीछा छुड़ाना होता है तो सरकारी कर्मचारी अपनी सारी बुराइयाँ जनता के ऊपर मँढ़ देते हैं और वहाँ से निकल लेते हैं।

(ख) भाव—इस पंक्ति के माध्यम से लेखक यह बताना चाहता है कि जिन चीजों की जिम्मेदारी सरकारी कर्मचारियों की है और जिस कार्य का वे वेतन पाते हैं, उनको वे स्वयं नहीं निभाते और अगर कोई व्यक्ति उस कार्य के लिए आगे बढ़ता है तो उसे वे गलत साबित करते हैं।

3. (क) लेखक ने बाढ़ में फँसे लोगों की मदद के लिए बाढ़ नियंत्रक को फोन किया।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) सब-इंस्पेक्टर की पूछताछ से उसके बेपरवाह होने का पता चलता है।

(घ) सरकारी अधिकारी वास्तव में लोगों को नहीं बचाना चाहते थे। हम यह सोचते हैं कि हमारी कानून-व्यवस्था इतनी ढीली हो गई है कि किसी को किसी की कोई परवाह नहीं है। सरकार को इस विषय में विचार करते हुए कानून अपनाने चाहिए।

(ङ) पुलिस अधिकारी जनता के साथ इस प्रकार का व्यवहार करते हैं जैसे जनता के प्रति उनका कोई उत्तरदायित्व ही न हो और उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा हो।

(च) बाढ़नियंत्रक के दफ्तर में दो मोटरबोट थीं—छोटी मोटरबोट तथा बड़ी मोटरबोट। वे लोगों को बचाने के लिए इसलिए नहीं भेजी गईं, क्योंकि छोटी मोटरबोट तेज बहाव में चल नहीं सकती थी और बड़ी मोटरबोट पुल के उस पार थी जो इस पार आ नहीं सकती थी।

(छ) पुलिस के बाद लोगों को बचाने फायर बिग्रेड के लोग आए। वह भी उल्टी-सीधी पूछताछ करते हुए फर्ज अदाएगी करके वापस चले गए।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) ही — आपको अपना काम स्वयं ही करना चाहिए।

(ख) भी — मैं भी आपके साथ चलूँगा।

(ग) तक — मार्च तक हमारी परीक्षा समाप्त हो जाएगी।

(घ) मात्र — मेरे पास मात्र दस रुपये हैं।

5. (क) करण कारक — रामू अपने भाई से माफी माँगता है। रिन्कू साइकिल से घर जाता है।

(ख) अपादान कारक — पेड़ से पत्ते गिरते हैं। यात्री गाड़ी से उतरता है।

6. (क) सहायता—लोगों की सहायता करना हमारा कर्त्तव्य है।

(ख) पब्लिक बूथ —शहरों में लोगों की सेवा के लिए पब्लिक बूथ बनाए गए हैं।

(ग) प्रतीक्षा—रोहित बस स्टैंड पर अपने मित्र की प्रतीक्षा कर रहा था।

(घ) आज्ञा—राम ने अपने पिता (दशरथ) की आज्ञा का पालन किया।

7. (क) फ्लाइंग — फ् + ल् + आ + इ + ङ् + ग् + अ

प्रबंध — प् + र् + अ + ब् + न् + ध् + अ

इंस्पेक्टर — इ + न् + स् + प् + ए + क् + ट् + अ + र् + अ

सुरक्षित — स् + उ् + र् + अ + क् + ष् + इ + त् + अ

रस्सी — र् + अ + स् + स् + ई

प्रतीक्षा — प् + र् + अ + त् + ई + क् + ष् + आ

(ख) सब-जज, सब-कमेटी, सब-पोस्ट मास्टर, सब-मैनेजर, सब-डायरेक्टर

8. (क) वृक्ष (ख) जल (ग) शशि (घ) आकांक्षा

9.

संज्ञा	**क्रिया**
(क) रूस, अमेरिका, चाँद	उतर आते हैं
(ख) पुलिस	पूछताछ करके जा चुकी है
(ग) रात, रेडियो, समाचार	सुने
(घ) आदमियों, पेड़	उतारिए
(ङ) यमुना	आई है।

❐ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें।
13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

14. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

9. चींटी और चिड़िया

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iv)
2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
3. **भावार्थ**—इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि यदि चिड़िया के आधे गुण भी मैं अपने में उतार पाता तो इस विश्वासरहित और बदकिस्मत दुनिया को जीवन जीने का वास्तविक ढंग सिखा देता।
4. (क) इस कविता में जिन दो गुरुओं की बात की गई है, वे हैं—चींटी और चिड़िया।
   (ख) मनुष्य अन्य जीव-जंतुओं से उनके गुण और विशेषताएँ सीख सकता है।
   (ग) चींटी से कवि परिश्रम करना सीखना चाहता है।
   (घ) 'चींटी में बड़ा धैर्य होता है।' यह बात ऐसे सिद्ध होती है कि वे किसी भी भोजन के टुकड़ों को मिल-बाँटकर खाती हैं।
   (ङ) चिड़िया के जो गुण कवि को प्रभावित करते हैं, वे हैं—प्रसन्नता भरे मधुर गीत गाना, संग्रह न करना तथा ईश्वर पर अटल विश्वास करना।

❐ व्याकरण-बोध

5. (क) रवि (✓) (ख) ईश्वर (✓) (ग) विश्व (✓) (घ) मेहनत (✓)
   (ङ) दुख (✓)
6. (क) बेशर्म, बेजान। (ख) अमर, अभाव।
7. (क) भविष्यत् काल (ख) भूतकाल
   (ग) वर्तमान काल (घ) वर्तमान काल
8. (क) अरे (ख) उफ् (ग) अरे (घ) शाबाश
   (ङ) उफ

9. (क) परिश्रमी — आलसी (✓)
(ख) सहायता — मदद
(ग) गुरु — शिक्षक
(घ) विश्वास — अविश्वास (✓)
(ङ) ज्यादा — कम (✓)
(च) आस्था — अनास्था (✓)

❒ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें।
13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

14. विद्यार्थी स्वयं करें।
15. विद्यार्थी स्वयं करें।

❏

10. पढ़ने की कला

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (iii)
2. (क) **आशय**—लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि तुम जिस विषय के बारे में जानकारी लेना चाहते हो उसके बारे में जब तक तुम्हें पूर्ण संतुष्टि न हो जाए तब तक उसके बारे में जानकारी हासिल करो यानी किसी भी कार्य को बीच में ही ऊबकर मत छोड़ो।
(ख) **आशय**—इस पंक्ति के माध्यम से लेखक यह बताना चाहता है कि व्यक्ति को किसी भी कार्य के बारे में यह नहीं सोचना चाहिए कि यह होना या कर पाना असंभव है। तुम वह सब कर सकते हो जो तुम सोचते हो और जो यह सोचते हैं कि यह कार्य नहीं हो सकता, वह मूर्ख है, कायर है।
(ग) **आशय**—प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से संगति के प्रभाव को उजागर किया गया है। व्यक्ति की जैसी संगति होती है वह जैसा ही बन जाता है। यदि तुम ज्ञानवान व्यक्ति के साथ रहोगे और उसे ही अपना साथी चुनोगे तो तुम ज्ञानी अवश्य हो जाओगे।
3. (क) हम इस कारण से पढ़ते हैं जिससे कि हमारा नाम हो; हमें अच्छी नौकरी मिल सके और हम जीवन में सफल और सुखी हो सकें।
(ख) किसी विषय को कंठस्थ करने के लिए हमें निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए—
(i) जो तुम याद कर रहे हो, उसे बिना मूल को देखे लिखो। जहाँ भूलो वहीं मूल को देखो।

(ii) जो कुछ याद कर रहे हो उसे किसी कागज से ढक दो। अब एक लाइन खोलकर उसे याद करो। उसे बंद कर दोहराओ। अब दूसरी लाइन खोलकर याद करो और दोनों को बंद कर दोहराओ।

(ग) कंठस्थ करने की सबसे साधारण विधि कंठस्थ किए जाने वाले अंश को जोर-जोर से पढ़ते हुए दोहराना है।

(घ) पढ़ते समय हमें आँखों की देखभाल के लिए इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारी पुस्तक पर यथेष्ट प्रकाश पड़ रहा है या नहीं। यह प्रकाश हमारी आँखों में चमक उत्पन्न करने वाला या चौंधियाने वाला नहीं होना चाहिए। दूसरी बात ध्यान में रखने की यह है कि हमारी पुस्तक आँखों से उचित दूरी (16 इंच) पर हो।

(ङ) उपनिषद् में कहा गया है—उठो, जागो और श्रेष्ठ पुरुष के पास जाकर ज्ञान अर्पित करो।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) गगनचुंबी (ख) अमर (ग) अनगिनत (घ) सर्वज्ञ (ङ) पूजनीय

5. (क) पुस्तक पर मत लिखो। (ख) तुम अपना काम करो।
(ग) वह आदमी पागल हो गया। (घ) चारों बेटों के नाम बताओ।
(ङ) मुझे मालूम नहीं है। (च) यहाँ मत खेलो।

6. (क) कहा चाहे जो भी जाए, सत्य यह है कि हमें बहुत-सी चीजें रटनी पड़ती हैं; जैसे—वर्तनी, साध्य, नियम और सूत्र, तिथियाँ, कविताएँ आदि। इन्हें बिना रटे काम नहीं चल सकता है, और यह कहना कि मैं रट नहीं सकता हूँ, व्यर्थ है।

(ख) जीवन में ऐसे अनेक अवसर आएँगे जब कि किसी सीखी बात को तुम और गहराई से सीखना चाहोगे; किसी अनजान नई बात को जानना चाहोगे या किसी जानी बात को दोहराना चाहोगे। इससे तुम्हारा ज्ञान पुष्ट, गंभीर और विस्तृत होगा।

(ग) हम इसलिए भी पढ़ते हैं, क्योंकि न पढ़ने पर हम फेल हो जाते हैं; हमारी बदनामी होती है। हम पढ़ते हैं जिससे कि हमारा नाम हो; हमें अच्छी नौकरी मिल सके और हम जीवन में सफल और सुखी हो सकें।

7. (क) स — सबल, सपूत स्व — स्वभाव, स्वरूप
अव — अवतार, अवकाश वि — विहार, विमान
(ख) ई — पढ़ी, लिखी आई — चटाई, लिखाई
पन — अपनापन, बचपन मान — बुद्धिमान, शक्तिमान

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

11. दादा की कहानी दादा की जबानी

❐ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iv)
2. (क) कहानी (ख) गाँव (ग) मंडली (घ) रावण
   (ङ) परीक्षा (च) वनवास
3. (क) बच्चे दादाजी से अच्छी और सच्ची कहानी सुनना चाहते थे।
   (ख) रामू बच्चों के दादाजी थे। महंत ने रामू को राम का पार्ट करने को दिया।
   (ग) इस नाटक का मुख्य पात्र रामू (बच्चों के दादाजी) है।
   (घ) रामू नियंत्रण के अभाव में बुरी संगति में पड़कर राम से रावण बन गया।
   (ङ) रामू ने अपनी माँ के लिए शराब पीनी छोड़ दी थी।
   (च) राम, रावण का पार्ट खेलने वाला बालक अपनी बुराईयों को त्यागकर साक्षात् वशिष्ट बन गया।
   (छ) नाटक में नाटक से यह तात्पर्य है कि जो घटनाएँ रामलीला में जैसे-जैसे क्रम से घटती हैं वही घटनाएँ दादाजी (रामू) के जीवन में भी घटती जाती हैं और जिस तरह से अंत में बुराई पर अच्छाई की विजय होती है, वैसे ही दादाजी के जीवन में भी होता है।

❐ व्याकरण-बोध

4. रामू राम रावण सूर्य
   मवेशी बच्चे शराबी लड़का
5. हल्की-सी सुन्दर बड़े सुखी
   सबल अच्छी सच्ची-सी सवेरे पूरा

❐ योग्यता-विस्तार

6. (क) दुख के बादल छाना—(मुसीबतें आना)—राम को वनवास होते ही अयोध्या में दुख के बादल छा गए।
   (ख) गाँठ बाँधना—(अच्छी तरह याद रखना)—हमें सदैव अपने गुरुओं की बातों को गाँठ बाँधकर रखना चाहिए।
   (ग) आँखें गीली होना—(आँसू आना)—सुदामा की दयनीय दशा देखकर श्रीकृष्ण की आँखें गीली हो गईं।
   (घ) भगवान को प्यारा होना—(स्वर्ग सिधार जाना)—मोहन के दादा जी कल अचानक भगवान को प्यारे हो गए।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

12. विभु काका

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) **भाव**—यह पंक्ति हमें बताती है कि उद्यमी व्यक्ति के पास लक्ष्मी (सफलता) स्वयं आकर निवास करती है।

(ख) **भाव**—इस पंक्ति का तात्पर्य यह है कि व्यक्ति अपने कर्मों से ऊँचे-नीचे पद प्राप्त करता है। विभु काका को उनके अच्छे कर्मों ने उन्हें इन्सान से सबकी नजर में देवता बना दिया।

(ग) **भाव**—व्यक्ति अपने लिए न जाने क्या-क्या नहीं करता किंतु वही व्यक्ति महान होता है जो दूसरों के लिए अपना बलिदान करता है। ऐसे व्यक्ति को परम-आनंद की अनुभूति होती है।

3. (क) ग्रामीण वातावरण, हरी-भरी सब्जियों का बगीचा, लहलहाते खेत तथा बाड़े में जुगाली करते पशुओं को काका का अनोखा संसार कहा गया है।

(ख) काका दूसरे गाँव में विजय को घुमाने तथा उसे वहाँ के किसानों के रहन-सहन में आए बदलावों को दिखाने गए थे।

(ग) विभु काका विदेश में इसलिए नहीं रहे, क्योंकि उन्हें अपना देश ही प्यारा था। उन्होंने अपने देश के किसानों की सेवा करने की ठान रखी थी।

(घ) विजय ने जीपगाड़ी से जिस गाँव का भ्रमण किया उसकी यह विशेषता थी कि वहाँ सभी घर पक्के थे। सभी घरों के आगे गायें बँधी थीं। गाँव के बीच एक पाठशाला थी। सब बच्चे साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए थे। लोग स्वस्थ तथा हृष्ट-पुष्ट थे।

(ङ) ऐसी बातें निम्नलिखित हैं जिनसे गाँवों के स्वरूप को बदला जा सकता है—

(i) ग्रामीण लोगों को शिक्षित करके।

(ii) सरकार द्वारा किसानों को प्रोत्साहित करके तथा उनकी आर्थिक मदद, फसल-बीमा आदि करके।

(iii) उन्नत किस्म के बीजों को तैयार करके।

(iv) नई-नई तकनीक से खेती करके।

❐ व्याकरण-बोध

4. (क) नदी को चट्टानों, पत्थरों और लोहा-लक्कड़ से भिड़ने जैसी कई समस्याओं से संघर्ष करने के बाद ही अपनी मंजिल मिलती है।

(ख) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा—संघर्ष ही जीवन है।

(ग) बड़े-बड़े विद्वानों, समाजसेवकों और महापुरुषों ने संघर्ष को ही जीवन माना है।

(घ) कबूतर आँखें बंद करके समझता है कि खतरा टल गया।

5.

सरल — सरलता	सुंदर — सुंदरता
उदार — उदारता	कायर — कायरता
महान — महानता	वीर — वीरता

6. (क) मोहित ने रोटी खाई।

(ख) प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित किया।

(ग) महात्मा गांधी ने नारा दिया—करो या मरो।

7.

संसार	— जग	जगत्	दुनिया
देवता	— सुर	अमर	देव
प्रसन्न	— आनंदित	प्रमुदित	हर्षित
पाठशाला	— विद्यालय	शिक्षालय	स्कूल

8.

सार्थक-निरर्थक	**पुनरुक्त**	**समानार्थी**
बिस्तर-विस्तर	बदले-बदले	साफ-सुथरे
	अपने-अपने	आस-पास
	घर-घर	हरी-भरी

❐ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

13. सैनिक तुझे सलाम!

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv)

2. (क) सैनिक जाने से पहले स्वजनों को पत्र लिखना चाहता है।

(ख) उसे कल बलिदान हो जाने की आशंका है।

(ग) सैनिक को मरने-मिटने की चिंता नहीं है, क्योंकि वह देश की सेवा में गर्व के साथ सर्वस्व निछावर कर देना चाहता है।

3. (क) सैनिक वतन की रक्षा करने के लिए पहरा देते हैं।

(ख) सुखभोगियों को सैनिक के साहस का अंदाजा नहीं है।

(ग) यदि सैनिक न हों, तो दूसरे देश के लोग हमारे देश के ऊपर हमला कर देंगे।

(घ) सैनिक को कलम के समान बताया गया है, क्योंकि वह स्वयं समर्पित होकर बलिदानों की गाथा लिखता है।

(ङ) मातृभूमि की सुरक्षा की खातिर कठिन परिश्रम करने के कारण सैनिक के चेहरे का तेज बढ़ता ही जाता है।

(च) सैनिक को 'देशरत्न' इसलिए कहा गया है, क्योंकि वह ही देश के लोगों के सुख का आधार है।

(छ) एक सैनिक की मृत्यु आम आदमी की मृत्यु से भिन्न होती है। बड़े सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार किया जाता है। देख रक्षा हेतु बलिदान होने पर समस्त देशवासी उस पर गर्व महसूस करते हैं और वह अमर शहीद कहलाता है।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) झंडा, ध्वजा। (ख) कर्म, पत्र।

(ग) दुख, असुर। (घ) शायद।

(ङ) लिए हुए और बरतन। (च) मसि, पृष्ठ, प्रहरी, पद, रक्षा।

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

14. भीड़ में खोया आदमी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iv)

2. (क) रचना (ख) बढ़ती हुई जनसंख्या
(ग) बढ़ती (घ) अधिक जनसंख्या
(ङ) कारण (च) देश में,
(छ) संकट में

3. (क) लेखक आरक्षण कराने के लिए स्टेशन गया, तो उसने पहले से ही लोगों की लंबी कतार खड़ी देखी।

(ख) श्यामलाकांत के परिवार के लोग अस्वस्थ इसलिए थे, क्योंकि परिवार बड़ा होने के कारण लोगों के स्वास्थ्य की सही से देखभाल नहीं हो पाती थी।

(ग) बाबू श्यामलाकांत के पुत्र दीनानाथ को नौकरी इसलिए नहीं मिल रही थी क्योंकि उसकी योग्यता वाले अनगिनत लड़के पहले से ही लाइन में लगे हुए थे।

(घ) स्वस्थ परिवार के लिए जिन बातों पर ध्यान देना जरूरी है, वे हैं—सीमित परिवार, स्वच्छ जलवायु तथा खाने के लिए भरपूर भोजन सामग्री।

(ङ) यदि समय रहते हमारा देश नहीं चेता, तो वह दिन दूर नहीं जब वह स्वयं इस भीड़ में और इससे पैदा होने वाली समस्याओं में पूरी तरह खो जाएगा।

(च) 'भीड़ में खोया आदमी' पाठ के माध्यम से लेखक यह संदेश देना चाहता है कि जनसंख्या-वृद्धि भारत में विकराल रूप धारण करती जा रही है, जिसके कारण अनियंत्रित भीड़, महँगाई, बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार जैसी अनेक समस्याएँ घहराती नजर आ रही हैं। यदि हमारे देश के लोग समय रहते नहीं सावधान हुए तो एक दिन भीड़ में स्वयं को ढूँढ़ पाना मुश्किल हो जाएगा।

❒ व्याकरण-बोध

4. पूरी तरह फीकी स्तब्ध पहले अधिक

5. (क) रामू रेलगाड़ी से कानपुर गया।
(ख) रीना श्याम के लिए मिठाई लाई।

6. ग्राहक — राशन की दुकान में ग्राहकों की लाइन लगी पड़ी थी।
समस्या — जनसंख्या की समस्या के कारण बेरोजगारी बढ़ती जा रही है।
दूषित — नदियों का जल दूषित हो रहा है।
संकीर्ण — शहरों की गलियाँ बड़ी ही संकीर्ण हैं।
परिणाम — इस वर्ष हमारे स्कूल का हाईस्कूल का परिणाम 99% रहा।

7. जड़-हम कुछ पौधों की जड़ें खाते हैं। मोहन विज्ञान विषय में बिल्कुल जड़ है।
जल —जल जीवन का आधार है। स्टोव फटने से मीना जल गई

पर —यहाँ बैठ जाओं, पर शोर मत मचाना।
— उड़ते पक्षियों के पर करना मुझे आता है।
अंबर —रात में अंबर में तारे दिखाई देते हैं।
— पीला अंबर पहने हरि अंदर खड़ा है।
डाल — पक्षी पेड़ की डाल पर बैठे है।
— चाय में थोड़ी चीनी ओर डाल दो।

❒ योग्यता-विस्तार

8. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले दो देश हैं—चीन और भारत।
9. अशिक्षा और बेरोजगारी तेजी से बढ़ती जनसंख्या के दो मुख्य कारण हैं।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

15. वर्षा-जल संचयन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i)
2. (क) जल की आवश्यकता कृषिक्षेत्र, औद्योगिक तथा घरेलू उपयोग के लिए बनी रहती है।
(ख) 'रेन वाटर हारवेस्टिंग' में 'रूफवॉशर्स' द्वारा पहली वर्षा के दूषित जल को एक विशेष टंकी में एकत्र किया जाता है।
(ग) हम अपने दैनिक कार्यों को पूरा करते समय जल को व्यर्थ न बहाकर तथा जल का संचयन करके जल की बचत कर सकते हैं।
(घ) कर्नाटक और केरल में 'रेन वाटर हारवेंस्टिग' के लिए लोग साड़ियों को खंभों या पेड़ों से बाँध देते हैं। इनके नीचे बाल्टी रखकर वे पानी एकत्र करते हैं और उस पानी को उबालकर प्रयोग में लाते हैं।
(ङ) जल का एक चक्र है—वर्षा के रूप में बरसना, भाप बनकर उड़ना, बादल बनना और फिर बरस पड़ना। यही जलचक्र जीवन की सभी क्रियाओं का आधार है।
(च) पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के अनुसार, आने वाले जल-संकट का समाधान देश के सरकारी, गैर-सरकारी तथा पंचायती राज के सभी लोगों द्वारा

मिलकर जल-संपदा के संचयन का बीड़ा उठाकर पृथ्वी की सतह के नीचे के जल-भंडार को बढ़ाकर किया जा सकता है।

(छ) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने से यह लाभ है कि इसके द्वारा पानी को रिसाइकिल करके उसका अन्य कामों में प्रयोग किया जा सकता है।

❐ व्याकरण-बोध

3. 37 — ३७ सैंतीस   71 — ७१ इकहत्तर

49 — ४९ उनचास   23 — २३ तेईस

11 — ११ ग्यारह

4. (क) कुएँ, संस्थाएँ, आँकड़े, नाले, नदियाँ, योजनाएँ।

(ख) गाँव — दिनोंदिन गाँवों में जल की समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं।

राज्य — उत्तर प्रदेश भारत के राज्यों में से एक घनी आबादी वाला राज्य है।

देश — संयुक्त राष्ट्र संघ पाँच देशों का समूह है।

पेड़ — हमें हरे-भरे पेड़ों को नहीं काटना चाहिए।

5.

जल—पानी	सलिल	नीर
विश्व—संसार	जगत	जग
बादल—घन	मेघ	वारिद
नदी—तटिनी	सरिता	निर्झरणी
तालाब—सरोवर	जलाशय	पुष्पकर

6. (क)

सर्वाधिक	अधिकांश
विद्यालय	साधिकार
अधिकाधिक	संचयन

7. (ख)

जल का संकट,	ऊर्जा का संसाधन,	वर्षा का जल,
जल का संचयन,	पेयजल की योजनाएँ	जल की सम्पदा।

8.

आपूर्ति	गम	=	आगम
दुर्लभ	गम	=	दुर्गम
प्रचलित	गति	=	प्रगति
अमूल्य	नल	=	अनल
प्रतिवर्ष	दिन	=	प्रतिदिन

9.

इंद्र	प्रभु	चित्र	पर्व	सर्व	अर्थ
ट्रक	ड्रम	ट्राली			

❐ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

16. रहीम के दोहे

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)

2. (क) शरीर (ख) सज्जनों का (ग) मित्र (घ) मना लेना

3. (क) स्वाति नक्षत्र के जल की यह विशेषता है कि यदि उसकी एक बूँद केले में गिर जाए तो कपूर, सीप में गिर जाए तो माती तथा सर्प के मुख में गिर जाए तो विष बन जाती है।

(ख) 'एकै साधै सब सधै' कहकर रहीम ने यह संकेत दिया है कि व्यक्ति को एक-एक करके ही सभी कार्यों को पूर्ण करना चाहिए क्योंकि सभी काम एक साथ पूरे नहीं हो सकते।

(ग) सज्जन लोग धन का संचय दूसरों के हित के लिए करते हैं।

(घ) मेहँदी पीसने वाले का उदाहरण देकर कवि यह समझाना चाहता है कि जिस प्रकार मेहँदी पीसने वाले के हाथ स्वयं ही मेहँदी से रँग जाते हैं उसी प्रकार उपकार करने वाले का शरीर भी सुशोभित रहता है।

(ङ) रहीम ने परोपकारी को धन्य कहा है।

(च) रहीम ने अपने मन का दुख मन में ही रखने के लिए इसलिए कहा है, क्योंकि उसके दुखों को बँटाता कोई नहीं बल्कि लोग हँसी लेते हैं।

(छ) दूसरे का दुख सुनकर लोग उसकी हँसी लेते हैं न कि उसकी समस्या का समाधान करते हैं।

(ज) माँगने वालों को रहीम ने मना करने वाले लोगों से भी अधिक मरा हुआ बताया है।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

5. अपवाद अपशब्द अपमान, दुश्मन दुस्साहस दुष्कर, सुशील सुमन सुरेश, परियोजना परिभाषा परिवाम, उपदेश उपयोग उपकार

6. मनुष्य आदमी पुरूष, पेड़ विटप वृक्ष,
जल मलय सलिल, ताल जलाशय तालाब, दीपक दीया चिराग

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑